भारतीय ज्ञानपीठ

18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नयी दिल्ली - 110 003
फोन : 24626467, 24654196, 24656201, 24698417
फैक्स : 91-011-24654197, ई-मेल : *marketing@jnanpith.net*

20 मार्च, 2017

31वाँ मूर्तिदेवी पुरस्कार हेतु प्रस्ताव
पुरस्कार वर्ष 2017

प्रिय महोदय /महोदया,

भारतीय ज्ञानपीठ वर्ष 2017 के लिए **31वाँ मूर्तिदेवी पुरस्कार** हेतु प्रस्ताव आमन्त्रित करता है। हम आगामी पुरस्कार के लिए इस चुनाव प्रक्रिया में आपके बहुमूल्य सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

मूर्तिदेवी पुरस्कार प्रतिवर्ष भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं के साथ अँग्रेजी में लिखी किसी ऐसी चिन्तनपरक कृति के लिए दिया जाता है जो भारतीय दर्शन और सांस्कृतिक धरोहर के व्यापक आदर्शों पर आधारित मानवीय मूल्यों को निरूपित, रेखांकित और अभिव्यंजित करती हो। इनमें कविता, उपन्यास, कथा-साहित्य और विवेचन, आलोचना आदि अन्य सभी विधाएँ सम्मिलित हैं।

यदि आप किसी उपयुक्त पुस्तक का नाम प्रस्तावित करेंगे तो हम आपके कृतज्ञ होंगे। संलग्न प्रस्ताव-पत्रक को भरकर तथा प्रस्तावित साहित्यकार के विस्तृत परिचय के साथ दिनांक **30 अप्रैल, 2017** तक वापस भेजने की कृपा करें। आप प्रस्तावित पुस्तक की मूल प्रति के साथ-साथ उसके हिन्दी अथवा अँग्रेजी में उपलब्ध अनुवाद, पुस्तक का सारांश और लेखक का विस्तृत परिचय अवश्य प्रेषित करें।

स्वयं के प्रस्तावित नाम पर विचार नहीं करेगा, न ही दिवंगत साहित्यकार का नाम विचारणीय होगा। **तेलुगु** और **मलयालम** इस वर्ष पुरस्कार प्रक्रिया में शामिल नहीं हैं। ज्ञानपीठ की नियमावली के आलोक में गत दो वर्ष में पुरस्कृत भाषाएँ प्रक्रिया के अन्तर्गत नहीं आतीं।

आपके प्रस्ताव की उत्सुक प्रतीक्षा में,

आपका,

लीलाधर मंडलोई
निदेशक

अब तक **मूर्तिदेवी पुरस्कार** से सम्मानित लेखक

स्व. श्री सी. के. नागराज राव
स्व. श्री वीरेन्द्र कुमार जैन
स्व. श्री मनुभाई पंचोली 'दर्शक'
स्व. श्री कन्हैयालाल सेठिया
स्व. श्री विष्णु प्रभाकर
स्व. डॉ. विद्यानिवास मिश्र
स्व. डॉ. मुनिश्री नगराज जी
डॉ. प्रतिभा राय
स्व. श्री कुबेरनाथ राय
स्व. प्रो. श्यामाचरण दुबे
स्व. श्री शिवाजी सावन्त
स्व. श्री निर्मल वर्मा
स्व. गोविन्दचन्द्र पाण्डे
स्व. डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
स्व. यशदेव शल्य
स्व. कल्याणमल लोढ़ा
स्व. नारायण देसाई
स्व. डॉ. राममूर्ति शर्मा
डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
डॉ. एम.वीरप्पा मोयिली
स्व. डॉ. रघुवंश
श्री अक्कित्तम अच्युतन नम्बूदिरि
डॉ. गोपीचन्द नारंग
डॉ. गुलाब कोठारी
श्री हरप्रसाद दास
श्री सी. राधाकृष्णन
श्री विश्वनाथ त्रिपाठी
श्री कोलकलुरि इनोक
श्री एम. पी. वीरेन्द्र कुमार

इक्कतीसवाँ मूर्तिदेवी पुरस्कार
वर्ष 2017

पुरस्कार नियमावली

1. भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रवर्तित यह पुरस्कार किसी भी विधा में रचित ऐसी चिन्तनपरक ज्ञानात्मक कृति के लिए दिया जाता है जो भारतीय दर्शन तथा सांस्कृतिक धरोहर के व्यापक आदर्शों पर आधारित मानवीय-मूल्यों को निरूपित, रेखांकित और अभिव्यंजित करती हो। वाङ्मय के माध्यम से जीवन-मूल्यों की प्रतिष्ठा के लिए स्थापित इस पुरस्कार के लिए उच्चकोटि के विवेचनात्मक, सांस्कृतिक अथवा ज्ञानात्मक कृतित्व का चयन किया जाएगा।

2. पुरस्कार के लिए वही कृति विचारणीय होगी जिसका लेखक जीवित हो, जो किसी भारतीय भाषा अथवा अंग्रेजी में लिखी गयी हो और सम्बद्ध पुरस्कार वर्ष से कम-से-कम एक वर्ष तथा अधिकतम दस वर्ष पूर्व प्रकाशित हो चुकी हो। अर्थात् पुरस्कार वर्ष 2017 को देय इक्कतीसवाँ मूर्तिदेवी पुरस्कार के लिए वर्ष 2007 से 2016 तक की अवधि में प्रकाशित कृतियाँ विचारणीय होंगी।

3. पुरस्कार के लिए प्रस्ताव प्रकाशक, किन्हीं मर्मज्ञ या संस्था द्वारा भी भेजे जा सकते हैं। **प्रस्तावित पुस्तक की मूल प्रति के साथ-साथ उसके हिन्दी अथवा अँग्रेजी में उपलब्ध अनुवाद, पुस्तक का सारांश और लेखन का विस्तृत परिचय अवश्य प्रेषित करें।** प्रस्ताव-प्रपत्र भारतीय ज्ञानपीठ से प्राप्त किये जा सकते हैं। निर्णायक-मण्डल द्वारा केवल नियत तिथि तक प्राप्त प्रस्ताव-प्रपत्रों पर विचार किया जाएगा। निर्णायक-मण्डल प्रस्तावित कृतियों के अतिरिक्त अन्य उपयुक्त कृतियों पर भी विचार कर सकता है। इस योजना के अन्तर्गत किताब व कोई अन्य भुगतान भारतीय ज्ञानपीठ की ओर से देय नहीं है।

4. यदि किसी वर्ष निर्णायक-मण्डल की दृष्टि में कोई भी प्रस्तावित अथवा विचारणीय कृति पुरस्कार के योग्य नहीं पायी जाती तो उस वर्ष पुरस्कार नहीं भी दिया जा सकता है।

5. निर्णायक-मण्डल का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा।

6. जो भाषा पुरस्कृत होती है वह अगले दो वर्ष के लिए पुरस्कार के लिए विचारार्थ नहीं होगी। इस वर्ष **तेलुगु** और **मलयालम** भाषाएँ केन्द्र में नहीं रखी जायेंगी।

7. जिस लेखक ने एक बार यह पुरस्कार प्राप्त कर लिया है उसकी कोई कृति पुनः विचारणीय नहीं होगी।

प्रस्ताव-प्रपत्र

क्रमांक ....

दिनांक : ....

भारतीय ज्ञानपीठ

18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नयी दिल्ली-110 003

इक्कतीसवाँ मूर्तिदेवी पुरस्कार, 2017

1. **प्रस्तावक**

नाम.. पता ....

फोन..फैक्स................................ई-मेल...

2. **प्रस्तावित कृति (तेलुगु और मलयालम की पुस्तकों पर विचार नहीं किया जाएगा)**

नाम...

भाषा...

विषय...

प्रथम संस्करण (वर्ष)...

वर्तमान संस्करण (वर्ष)...

3. **लेखक**

नाम...

पता : ....

फोन :..फैक्स :................................ई-मेल :..

4. **प्रकाशक**

नाम...

पता : ....

फोन :..फैक्स :................................ई-मेल :..

5. **अंग्रेजी/हिन्दी अथवा अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध अनुवाद** ....

भाषा ....

अनुवादक का नाम ....

अनूदित कृति के प्रकाशक का नाम और पता ....

6. **प्रस्तावित कृति पर संक्षिप्त टिप्पणी** ....

....

....

7. **लेखक की अन्य कृतियाँ** ....

....

दिनांक .... हस्ताक्षर

(प्रस्तावक)

टिप्पणी: 1. किसी विशेष सूचना के लिए यदि ऊपर दिया गया स्थान पर्याप्त न हो, तो कृपया अलग कागज पर सन्दर्भ क्रमांक देते हुए सम्बद्ध विवरण दें।

2. प्रस्ताव-प्रपत्र भरकर भारतीय ज्ञानपीठ कार्यालय के उपर्युक्त पते पर कृपया इस तरह भेजें कि 30 अप्रैल, 2017 तक कार्यालय में अवश्य प्राप्त हो जाए।

Bharatiya Jnanpith

18, Institutional Area, Lodi Road, New Delhi - 110 003
Tel : 24626467, 24654196, 24656201
Fax : 91-011-24654197, 24698417 ☐ e-mail : *marketing@jnanpith.net*

20th March, 2017

Sub: Proposal for the 31st Moortidevi Award for the year 2017

Dear Sir/Madam,

Bharatiya Jnanpith invites proposal for the ***31st Moortidevi Award*** for the year 2017. We seek your kind cooperation in the process of selecting our next awardee.

Moortidevi Award, presented annually, is perhaps the only book award in India for a contemplative and perceptive work which expresses, underlines and illumines human values rooted in the broad vision of Indian philosophy and cultural heritage through literary works of poetry, fiction and non-fiction. Books written in all the Indian languages mentioned in the VIIIth Schedule of Indian Constitution and English are considered.

We shall be grateful if you kindly suggest a suitable book for this award. A Proposal Form is enclosed, which is to be kindly filled and returned by **30th April, 2017.** Your proposal should be accompanied by the original book, Hindi / English translation of the book, excerpts of the book in either Hindi or in English and a detailed note on the author.

Please note that Jnanpith does not entertain self nominations; there is no provision for a posthumous award and **Telegu** and **Malayalam** will be out of purview of this year's award since they happened to be the awarded languages in the last two years as per rules.

An early response will be highly appreciated.

Sincerely,

Leeladhar Mandloi
Director

Moortidevi Laureates till date

Late Shri C.K. Nagaraja Rao
Late Shri Virendra Kumar Jain
Late Shri Manubhai Pancholi ‘Darshak’
Late Shri Kanhaiyalal Sethiya
Late Shri Vishnu Prabhakar
Late Dr. Vidyaniwas Mishra
Late Dr. Munishri Nagaraj Jee
Dr. Pratibha Ray
Late Shri Kubernath Rai
Late Prof. Shyamacharan Dube
Late Shri Shivaji Sawant
Late Shri Nirmal Verma
Late Dr. Govind Chandra Pandeya
Late Dr. Rammurthy Tripathi
Late Yashdev Salya.
Late Kalyanmal Lodha
Late Narayan Desai
Late Dr. Rammurti Sharma
Dr. Krishna Bihari Mishra
Dr. M. Veerappa Moily
Late Dr. Raghuvansh
Shri Akkitham
Dr. Gopi Chand Narang
Dr. Gulab Kothari
Shri Haraprasad Das
Shri C. Radhakrishnan
Shri Vishwanath Tripathi
Shri Kolakaluri Enoch
Shri M. P. Veerendra Kumar

THIRTY-FIRST MOORTIDEVI AWARD
YEAR 2017

AWARD RULES

1. The Award instituted by Bharatiya Jnanpith is presented every year for a contemplative and perceptive work written in any forms of literature which expresses, underlines and illumines human values rooted in the broad vision of Indian philosophy and cultural heritage. The objective of the Award is to foster social and individual commitment to higher values of life through the medium of literature in its larger sense. In that perspective, analytical, reflective and perceptive writing of a higher order would be considered for the Award.

2. Only the work in any of the Indian languages and English of a living author, published at least one year and at the most ten years before the relevant Award year, will be considered for the Award. That is to say, for the Thirty-first Moortidevi Award for the year 2016, books published between 2007 and 2016 will be considered.

3. Proposals for the Award may be submitted by the publisher or by any other person or an institution. **The proposal must be acconpanied by the original book, Hindi/ English translation of the book, excerpts of the book in either Hindi or in English and a detailed note on the author.** Proposal forms may be downloaded from the website of Bharatiya Jnanpith. The Selection Committee is free to consider any other works besides the proposals submitted to it. Only the proposal forms, received by due date, will be considered in the selection process. In this process, there is no provision for any reimbursement by Jnanpith and books and articles submitted will not be returned under any circumstances.

4. If, during any Award year, the selection Committee does not find any work measuring upto the required standard, no Award may be declared for that year.

5. The decision of the Selection Board will be final and binding to all.

6. The language of the awarded book that receives the Award in a particular year will not be eligible for competition for the next two years. **Hence Telegu and Malayalam will not be considered for this year's award.**

7. Once a writer has been selected for the Award, none of his other works will be considered for any subsequent Award.

PROPOSAL FORM Ref.No.........................

Date..........................

Bharatiya Jnanpith

18, Institutional Area, Lodi Road, New Delhi - 110 003

THIRTY-FIRST MOORTIDEVI AWARD
Award Year : 2017

1. **Proposer**
   Name..
   Address ....
   Phone..........................Fax..........................e-mail..........................
2. **Proposed Book (Books written in Telegu and Malayalam will not be considered)**
   (a) Title..
   (b) Language..
   (c) Subject..
   (d) First Edition (year)..
   (e) Present Edition(Year)..
3. **Author**
   Name..
   Address ....
   Phone..........................Fax..........................e-mail..........................
4. **Publisher**
   Name..
   Address ....
   Phone..........................Fax..........................e-mail..........................
5. **Available Translation of the book in English/Hindi or some other Indian language (if any)** :
   Language..
   Name of the Translator..
   Publisher's address..
6. **A brief note on the proposed book** :..
   ....
   ....
   ....
7. **Author's other works** ....
   ....
   ....

Date.....................

Signature

(Proposer)

Note :1. If the space provided falls short for any additional information, please use a separate sheet, indicating the reference number of the column.

2. Proposal Form may please be returned duly filled by 30th April, 2017 at the address given above.